हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, बुधवार 29 जुलाई 2026

11 एसआईआर के पोस्ट ड्राफ्ट चरण को लेकर दिया प्रशिक्षण

12 लाखों रुपये खर्च करने पर भी शहर के पार्क बदहाल

खबर संक्षेप

जटेला धाम में सत्संग एवं भंडारा आज

बेरी। क्षेत्र के गांव माजरा दूबलधन स्थित तपोभूमि जटेला धाम में पूर्णिमा के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय धार्मिक आयोजन मंगलवार से शुरू हो गया। धाम के पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास महाराज के सानिध्य में प्रातः दस बजे स्वामी नितानंद महाराज की ब्रह्मवाणी का अखंड पाठ शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि ब्रह्मवाणी के अखंड पाठ के समापन उपरांत बुधवार को सत्संग एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिसमें दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे।

एकमुश्त कर निपटान योजना का लाभ उठाएं व्यापारी : डीसी

झज्जर। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा छोटे व्यापारियों को लाभ देने के लिए शुरू की गई एकमुश्त निपटान स्कीम को व्यापारियों ने प्राथमिकता देते हुए उसका लाभ उठाया है। जिसके चलते सरकार ने एक बार फिर निपटान योजना लागू की है। व्यापारी वर्ग नियमानुसार इस योजना का लाभ उठाकर पुराने बकाया करों का भुगतान सकते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा गत 1 जून से 120 दिनों के लिए आगामी 28 सितंबर तक एक मुश्त निपटान स्कीम 2026 शुरू की है।

मानसून की बरसात ने खोली जलनिकासी के दावों की पोल, झज्जर शहर में कई सड़कें हुईं जलमग्न

डीसी ने शहर का दौरा कर जलनिकासी के पुख्ता प्रबंध करने के दिए थे निर्देश, जिम्मेदारी होनी थी तय

डीसी मैडम! क्या हुआ आपका वादा... थोड़ी सी बरसात में ही भर गया शहर आधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

मंगलवार को हुई बरसात ने एक बार फिर शहर में जल निकासी व्यवस्था की सच्चाई सामने ला दी। करीब पौने घंटे की बारिश के बाद शहर की कई प्रमुख सड़कें और चौक चौराहे जलमग्न हो गए, जिसके कारण यातायात प्रभावित रहा। कई स्थानों पर दुपहिया वाहन पानी में बंद हो गए, जबकि पैदल राहगीरों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के आंबेडकर चौक, पुराना बस अड्डा रोड, भट्ठी गेट, माता गेट, सीताराम गेट, सिलानी गेट, महाराजा अग्रसेन चौक सहित तमाम स्थानों पर एक से डेढ़ फीट तक पानी भर गया। भट्ठी गेट क्षेत्र स्थित राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। छुट्टी के समय उन्हें पानी में से होकर गुजरना पड़ा। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, झज्जर में 28 एमएम, बेरी में 6 एमएम और बादली में 15 एमएम बारिश दर्ज की गई। बता दें कि कुछ दिन पूर्व बरसात के दौरान डीसी वर्षा खांगवाल ने शहर का दौरा किया था और संबंधित विभागीय अधिकारियों को जलनिकासी व्यवस्था के समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने जलभराव होने पर जवादेही तय करने की चेतावनी दी थी, लेकिन इसके बावजूद बरसात के बाद एक बार फिर लोगों को जलभराव के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ा। अब यह देखना है कि उपायुक्त इस पर क्या एक्शन लेंगी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बरसात के मौसम में यही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। नालों की समय पर सफाई और बारिश के पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण थोड़ी सी बारिश से ही जलभराव हो जाता है। वहीं आंबेडकर चौक से मेन बाजार जाने वाले प्रमुख रास्ते पर जलभराव के कारण दुकानदारों की दुकानदारी प्रभावित रही।

झज्जर। भट्ठी गेट क्षेत्र से जलभराव के बीच गुजरते हुए वाहन चालक व आमजन।

झज्जर। महाराजा अग्रसेन चौक पर हुआ जलभराव।

मौसम हुआ सुहाना गर्मी से आंशिक राहत

बरसात के कारण पिछले कई दिनों से उमस भरी गर्मी से परेशान हो रहे लोगों को आंशिक राहत मिली। बरसात के कारण मौसम सुहाना हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञ आगामी दिनों में भी मौसम परिवर्तनशील रहने का अनुमान लगा रहे है।

करोड़ों रुपये खर्चने पर भी झील बना बहादुरगढ़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

मंगलवार को शहर में हुई झमाझम बारिश बेशक दोपहर में थम गई थी, लेकिन शहर के अधिकांश हिस्सों में जलजमाव बना रहा। जलनिकासी का विफल सिस्टम बहादुरगढ़ में रहने वालों के लिए सिरदर्द बन चुका है। लगभग सभी नाले ओवरफ्लो होने के कारण पानी गलियों में ही भरा रहा। विदित है कि यहां नगर परिषद ने करोड़ों रुपये सफाई व्यवस्था पर खर्च किए हैं। यहां नालों की सफाई के लिए भी करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं।

बता दें कि मंगलवार सुबह साढ़े 11 बजे से लेकर 2 बजे तक बहादुरगढ़ में 55 मिलीमीटर बरसात रिकॉर्ड हुई। हर बार की तरह इस बार बहादुरगढ़ बरसाती पानी भरने से झील बन गया। बारिश थमने के कई घंटे बाद भी मांडोठी बाजार, बाग वाला मोहल्ला व सेक्टर-6 जैसे इलाके में लोगों को राहत नहीं मिली। स्थानीय लोगों की मानें तो बगैर योजनाबद्ध तरीके से करोड़ों रुपये खर्चने के कारण ही बहादुरगढ़ की हालत झील जैसी हो गई है। बेशक यहां शुरू से ही सबसे बड़ी दिक्कत सीवरेज तथा जलनिकासी की रही है। मगर शहर के विकास के लिए जिम्मेवार नगर परिषद ने इस दोनों समस्याओं के समाधान की बजाय खजाने को खाली करवाया। अब सारा पानी सड़क पर जमा है और लोग उसी पानी में से गुजरने को मजबूर हैं।

हर बरसात में बहादुरगढ़ तालाब बन जाता है, इस समस्या के समाधान की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। करोड़ों रुपये खर्चने के बावजूद बहादुरगढ़ की अधिकांश कॉलोनियों में जलभराव की समस्या कम नहीं हो पाई। जलनिकासी और सफाई को लेकर केवल कागजी इंतजाम किए गए। जिसका खामियाजा स्थानीय निवासी भुगत रहे हैं।

बहादुरगढ़। मांडोठी बाजार में भरे बरसाती पानी में से गुजरती स्कूल बस।

आईटीआई गुढ़ा में रोजगार मेले में 23 युवाओं का चयन

झज्जर। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कंपनी प्रतिनिधि।

- राष्ट्रीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान झज्जर एट गुढ़ा में मंगलवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। प्रातः दस बजे शुरू हुए इस रोजगार मेले में क्षेत्र की निजी कंपनी के प्रतिनिधियों ने आईटीआई के पास-आउट विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया। लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के आधार पर कंपनी प्रतिनिधियों द्वारा 23 विद्यार्थियों को अप्रेंटिसशिप के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

चयनित विद्यार्थियों को जहां नए कौशल विकसित करने के लिए सरकारी मानकों के अनुसार मासिक मानदेय मिलेगा वहीं उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जिसके बाद रोजगार की संभावना बढ़ जाएगी।

सब्जी मंडी मारपीट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

- दो आरोपियों को जेल भेजा और एक आरोपी को एक दिन के रिमांड पर लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पुलिस ने सब्जी मंडी क्षेत्र में हुई मारपीट एवं जानलेवा हमले के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दो आरोपियों को न्यायालय के आदेश पर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया, जबकि तीसरे आरोपी को वारदात में प्रयुक्त हथियारों की बरामदगी एवं अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने के लिए पुलिस ने एक दिन के रिमांड पर लिया है।

सेक्टर-6 थाना प्रबंधक सत्यवीर ने बताया कि राहुल निवासी किला मोहल्ला 26 जुलाई की रात को अपने साथियों के साथ सब्जी मंडी में मौजूद था। उसे सूचना मिली थी कि उसके परिचितों का कुछ लोगों के साथ झगड़ा हो गया है। जब वे मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करने लगे तो आरोपियों ने उन पर ही हमला कर दिया। एक आरोपी ने धारदार हथियार से राहुल के कान के नीचे वार किया तथा ललित के कान पर गंभीर चोट पहुंचाई। वहीं श्याम और दीपक के साथ भी मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। सभी घायलों का अस्पताल में उपचार कराया गया तथा एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस ने जुटाए साक्ष्य, गवाहों के बयान तथा जांच के आधार पर देवेंद्र कुमार, विराट निवासी मोहन नगर तथा विजय निवासी दयानंद नगर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से देवेंद्र कुमार और विजय मान को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जबकि विराट उर्फ गोलू को वारदात में प्रयुक्त हथियारों की बरामदगी, अन्य साक्ष्य जुटाने तथा गहन पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

आफत नालों की सफाई के बाद स्लैब नहीं रखने से दुकानदार परेशान

विडंबना : दुकानों पर आना है तो नाला कूदो

- नालों के खुले होने से कई दुकानें पड़ी हैं बंद, कारोबार ठप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर में नालों की सफाई के बाद स्लैब वापस नहीं रखने से पुराना बर्फखाना मार्ग के दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर खुले नालों के कारण दुकानों तक पहुंचने का रास्ता अवरुद्ध हो गया है।

स्थिति ऐसी बन गई कि कुछ दुकानदारों ने अपनी जेब से अस्थायी व्यवस्था कर ग्राहकों के आने-जाने का रास्ता बनाया है जबकि कई दुकानदार दुकान ही नहीं खोल सके। दुकानदारों का कहना है कि नालों की सफाई करना आवश्यक है, लेकिन सफाई के बाद स्लैब को समय पर वापस नहीं रखना विभाग की लापरवाही को दर्शाता है। खुले नालों के कारण ग्राहकों को दुकान तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है, जिससे बिक्री पर सीधा असर पड़ रहा है। स्थिति यह है कि कई व्यापारियों ने लकड़ी के तख्ते, लोहे की प्लेट या अन्य अस्थायी साधनों से रास्ता तैयार किया ताकि ग्राहक किसी तरह दुकान तक पहुंच सकें। वहीं जिन दुकानदारों के पास ऐसी व्यवस्था करने का साधन नहीं था, उन्हें मजबूरी में दुकान बंद रखनी पड़ी। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि सफाई कार्य पूरा होते ही सभी स्थानों पर स्लैब तुरंत लगाए जाएं, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी का कहना है कि मामला उनके संज्ञान में है। जल्द ही नालों पर स्लैब रखवा दिए जाएंगे। प्रयास यही है कि आमजन को किसी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

झज्जर। नालों की सफाई के बाद खुले पड़े नाले और बंद दुकानें।

दिवाली से पहले आएगा लव एंड वॉर का फर्स्ट लुक

नई दिल्ली। संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर इस वक्त सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 21 जनवरी 2027, यानी रिपब्लिक डे वीकेंड पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भंसाली के शानदार स्टोरीटेलिंग स्टाइल और भव्य विजुअल्स से सजी यह फिल्म दर्शकों को बड़े पर्दे पर एक शानदार और इमोशनल अनुभव देने वाली है। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। इसी बीच फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। फिलहाल फर्स्ट लुक पर काम चल रहा है और उम्मीद है कि इसे दिवाली 2026 से पहले रिलीज कर दिया जाएगा।

लाइफ Style

निहारिका

इंटीमेट सीन के चक्कर में हाथ से गई फिल्म

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

निहारिका एनएम फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से बॉलीवुड डेब्यू करने को तैयार हैं। इस बीच उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। कंटेंट क्रिएटर के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाली निहारिका एनएम ने साल 2023 में अमेरिकी सिटकॉम 'बिग माउथ सीजन 7' में गेस्ट वॉइस रोल के साथ अपने करियर को ग्लोबल लेवल पर पहुंचाया।

एक्टिंग सफर की शुरुआत पिछले साल तमिल फिल्म 'पेरुसु' से हुई थी। इसके बाद उन्होंने मित्रा मंडली और इधयम मुरली में भी काम किया। अब वे बॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं। निहारिका एनएम फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से हिंदी फिल्मों में बोहनी कर रही हैं। वे राघव जुयाल के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। इस बीच अभिनेत्री ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि इंटीमेसी क्लॉज की वजह से उन्हें एक फिल्म से हाथ धोने पड़े थे। वे बोल्ड सीन करने के तैयार नहीं थीं। एक घटना को याद करते हुए वे बताती हैं, 'एक फिल्म मुझे करनी थी। इसे एक बहुत बड़े डायरेक्टर बना रहे थे। उन्होंने मुझे खुद चुना था। मैंने उस रोल के लिए ऑडिशन दिया था और लुक टेस्ट भी हो गया था'। निहारिका ने आगे कहा, 'मेरे घर पर कॉन्ट्रैक्ट भेजा गया था और मैंने उस पर साइन कर दिया। उसमें इंटीमेट सीन से जुड़ी एक शर्त थी और मैंने उन्हें बता दिया था कि मैं ऑन-स्क्रीन इंटीमेसी करने में सहज नहीं हूं। वे इसके लिए तैयार थे और बॉडी डबल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे। लेकिन, एक्टर बॉडी डबल के साथ वह सीन करने के लिए तैयार नहीं थे।

हॉलीवुड मसाला

स्पाइडर-मैन ... से किसिंग सीन हटे

मुंबई। फिल्म 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' 31 जुलाई को रिलीज होने जा रही है। भारत में भी फिल्म रिलीज होगी। सेंसर बोर्ड ने तीन बदलावों के निर्देश के बाद भारत में 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' की रिलीज को मंजूरी दे दी है। इन बदलावों के बावजूद फिल्म की पीटर पार्कर वाली डार्क कहानी और एक्शन सीन वैसे ही रहेंगे। बता दें कि 'स्पाइडर-मैन-ब्रांड न्यू डे' भारतीय सिनेमाघरों में इस गुरुवार को रिलीज होगी। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इसे यूए 13+ सर्टिफिकेट के साथ रिलीज करने की मंजूरी दे दी है।

एवेंजर्स डूम्सडे का ट्रेलर कल होगा रिलीज...

नई दिल्ली। एवेंजर्स डूम्सडे फिल्म का बजट 4500 करोड़ रुपए है। इसमें ऐसे 23 सुपरहीरो हैं जो दुनिया के सबसे खतरनाक विलेन से टकराने जा रहे हैं। 'एवेंजर्स: डूम्सडे' का ट्रेलर विशेष रूप से 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' के साथ दिखाया जाएगा, जो 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। ट्रेलर फिल्म के सभी भाषा संस्करणों के साथ दिखाया जाएगा, जिससे दर्शकों और इस भव्य सुपरहीरो फिल्म के प्रशंसकों को एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव मिलेगा। मार्वल स्टूडियो की 'एवेंजर्स: डूम्सडे' का निर्देशन एंथनी रूसो और जो रूसो ने किया है।फिल्म का निर्माण केविन फेग, लुई डी'एस्पोसिटो और जोनाथन श्वाट्र्ज ने किया है।फिल्म में रॉबर्ट डाउनी जूनियर, क्रिस इवांस, क्रिस हेम्सवर्थ, पेड्रो पास्कल, पॉल रुड, एंथनी मैकी, फ्लोरेंस प्यू, वनेसा किर्बी, एबन मॉस-बाकरैक आदि नजर आएंगे।

मॉम-2 में खुशी निभाएंगी लीड रोल...

मुंबई। महान अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम'2017 में आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब करीब 9 साल बाद इसका सीक्वल बनने जा रहा है, जिसको लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। खुशी कपूर अब फिल्म 'मॉम 2' में लीड रोल निभाने जा रही हैं। यह 2017 की हिट फिल्म मॉम का सीक्वल है और इसे नवंबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। इस फिल्म को उनके पिता बोनी कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसकी शूटिंग नोएडा और ग्रीस में हुई है। 'मॉम 2' का कनेक्शन श्रीदेवी के उस यादगार किरदार से जुड़ा होगा, जिसने उन्हें खास पहचान दिलाई थी। 'मॉम' श्रीदेवी की आखिरी फिल्म थी, ऐसे में यह प्रोजेक्ट खुशी कपूर के लिए काफी इमोशनल और खास माना जा रहा है, क्योंकि वह अपनी मां की विरासत को आगे बढ़ाती नजर आएंगी।

बंटवारा 1947 का ट्रेलर है दमदार

मुंबई। आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म 'बंटवारा 1947' में सनी देओल लीड रोल में हैं। सोमवार को इस फिल्म का ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज किया है। यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के ट्रेलर में 1947 के बंटवारे का समय दिखाया गया है। इसमें एक परिवार की कहानी है, जिसकी जिंदगी बंटवारे की हिंसा, डर और जबरन पलायन की वजह से बदल जाती है। जो लोग कभी साथ रहते थे, वो अब बंटवारे के कारण बिछड़ गए हैं। इसी बीच सनी ट्रेलर में एक ऐसे शख्स के किरदार में नजर आते हैं, जो किसी भी हाल में अपने जमीर से समझौता नहीं करता है। वहीं, शबाना आजमी एक बुजुर्ग महिला के रोल में हैं, जो इंसानियत पर सबका भरोसा बनाए रखती हैं। प्रीति जिंटा भी ट्रेलर में नजर आती हैं, वह बंटवारे के मुश्किल दौर का सामना मजबूती से करती नजर आती हैं।

टीवी मसाला

एल्विश-तेजस्वी व आरुष संभालेंगे प्लेग्राउंड सीजन-5 का कमान

नई दिल्ली। गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड सीजन 5' अपने अब तक के सबसे बड़े और खास फॉर्मेट के साथ वापसी के लिए तैयार है, जिसमें तीन मेंटर्स का एक पैनल शामिल होगा। दो बार के चैंपियन एल्विश यादव 'केओ क्रैकेंस' की कमान संभालेंगे, जबकि तेजस्वी प्रकाश 'रेजिंग सेंटॉर्स' की मेंटर के तौर पर डेब्यू करेंगी। उनके साथ आरुष भोला भी होंगे, जो 'पावर फीनिक्स' की जिम्मेदारी संभालेंगे। छह हफ्ते तक चलने वाले इस सीजन 5 में तीन टीमें जबर्दस्त मुकाबला करेंगी, ताकि आखिर में सिर्फ एक 'मास्टरमाइंड' विजेता बन सके। शो 'प्लेग्राउंड सीजन 5' का ट्रेलर सोमवार का जारी हो चुका है। 'प्लेग्राउंड सीजन 5' का प्रीमियर 1 अगस्त को होगा। यह प्राइम वीडियो की तरफ से एमएक्स प्लेयर पर खास तौर से मुफ्त में स्ट्रीम किया जाएगा। ट्रेलर की शुरुआत में सभी मेंटॉर अपनी-अपनी दुनिया में खोए हुए दिखते हैं। तभी अचानक उनके आस-पास की असलियत में गड़बड़ी होने लगती है। एक-एक करके उन्हें एहसास होता है कि उन्हें मेंटॉर के तौर पर लॉक कर दिया गया है। सीधे असल जिंदगी वाले गेमिंग की दुनिया में खींच लिया गया है, जहां उन्हें एक-दूसरे का मुकाबला करना है। इस कॉम्पिटिशन में धीरे-धीरे ढलने का कोई समय नहीं है। मेंटॉर को हालात के हिसाब से खुद को ढालना होगा। अपग्रेड करना होगा और अपना दबदबा बनाना होगा, क्योंकि इस गेम में सब कुछ एक पल में खत्म हो सकता है।

मैं अपने घर की डोर मैट थी : शिल्पा

नई दिल्ली। शिल्पा शिंदे ने 'लॉकअप 2' हालिया एपिसोड में दूसरे प्रतियोगियों के सामने अपने बिगड़ चुके पारिवारिक रिश्तों का जिक्र किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनकी कंधे की सर्जरी हुई तो उन्हें उनके ही घर से निकाल दिया गया था। शिल्पा शिंदे 'लॉकअप 2' में कहती हैं, 'हर्षद चोपड़ा आपको मैंने पहले चेताया था कि लोग आपका इस्तेमाल करते हैं। डोर मैट की तरह इस्तेमाल करते हैं। मैं भी अपने घर की डोर मैट थी। कुछ साल पहले मेरे कंधे की सर्जरी हुई थी। सर्जरी के पांच दिन बाद मुझे मेरे ही घर से निकाल दिया गया था।

आपको लगेगा कि क्या मेरे परिवार वाले इतने बुरे हैं। तो देखिए, मेरे लिए ऐसी सिचुएशन बना दी गई थी। उन्हें पता था कि मैं सेल्फ रेस्पेक्ट वाली लड़की हूं। इसलिए मैं अपना घर छोड़ दिया। दरअसल, मेरा भाई अपनी वाइफ के इंफ्लुएंस में आ गया था और मेरी मां भाई की बातों को मानती थीं।' कुछ हफ्ते पहले योगेश रावत शो से बाहर हुए थे। अब सूफी मोतीवाला और धीरज कपूर भी शो से बाहर हो चुके हैं।

सावन की दस्तक से पहले 'मैं दीवानी महाकाल की' गाना रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अदाकारा अक्षरा सिंह अपनी गायिकी के लिए भी मशहूर हैं। सावन की दस्तक से पहले उन्होंने महादेव को समर्पित भक्ति सॉन्ग रिलीज किया है। भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन अक्षरा सिंह अब बॉलीवुड में पहचान बना चुकी हैं। उन्हें अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम टू द जंगल' के एक गाने में देखा गया था। इसके अलावा उन्हें श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म 'ईठा' में देखा जाएगा। इस बीच अक्षरा अपने नए गाने को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। सावन का महीना शुरू होने वाला है। कोई भी त्योहार हो, भोजपुरी इंडस्ट्री में नए गानों की खूब बहार आती है। खेसारी लाल यादव से लेकर अक्षरा सिंह, पवन सिंह तक कई सितारे सावन के महीने में नए गाने लेकर आते हैं। अक्षरा सिंह ने यह सिलसिला शुरू कर दिया। उनका गाना 'मैं दीवानी महाकाल' की सोमवार को रिलीज हो गया है। अक्षरा सिंह अदाकारी के साथ-साथ सिंगिंग में भी माहिर हैं। अब उन्होंने अपने फैंस को नए गाने का तोहफा दिया है। यह भक्ति सॉन्ग अक्षरा सिंह के यूट्यूब

चैनल पर रिलीज किया गया है। अक्षरा सिंह गाने में महादेव की भक्ति के रंग में रंगी दिख रही हैं। आर्मी प्रिंट आउटफिट में वे बुलेट पर सवार होकर जा रही हैं। रुद्राक्ष की माला धारण कर वे यह गाना गुनगुना रही हैं। इसके बाद शिवलिंग के आगे बैठकर पूजा करती हैं और फिर कुछ साधु-संतों से मिलकर आशीर्वाद लेती हैं। बता दें कि अक्षरा सिंह महादेव की भक्त हैं। अक्सर वे काशी विश्वनाथ दर्शन करने जाती हैं। इस गाने की रिलीज से पहले अभिनेत्री अपनी मां के साथ उज्जैन महाकाल के दर्शन करने पहुंची थीं। अक्षरा के गाने पर फैंस की सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है। यूजर्स ने लिखा है, 'हम बहुत दिनों से आपके गाने का इंतजार कर रहे थे'।

अजीब हिंदी फिल्मों में गिनी जाती है नीचा नगर, बनाया था ऐसा रिकॉर्ड जो आज तक कोई नहीं तोड़ पाया

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा की ऑडियंस आज ज्यादा से ज्यादा ऑथेन्टिक और ऑरिजनल फिल्मों की डिमांड कर रही है। हालांकि, बीच में एक लंबे वक्त तक सिर्फ एक ही नपे-तुले ढर्रे पर बनाई गई फिल्मों को ही लोगों ने प्यार दिया है। हालांकि, बात अगर 70-80 के दशक की करें तो उन दिनों बॉलीवुड डायरेक्टर्स ज्यादा से ज्यादा क्रिएटिव होने की कोशिश कर रहे थे। आज हम आपको ऐसी ही एक बहुत यूनिक फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं। आज अगर इस तरह की फिल्म बनाई जाए, तो ज्यादा संभावना इस बात की है, कि यह बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट जाएगी, लेकिन उन दिनों इस फिल्म ने कामयाबी के झंडे गाढ़ दिए थे। बल्कि, सच तो यह है कि अगर आपने गलती से कभी इस फिल्म की क्लिप्स रील्स

में देखी होंगी तो शायद कोई क्रिंज पिक्चर समझकर आगे बढ़ गए होंगे। ज्यादातर लोग अभी भी इसे बहुत अजीब फिल्म समझते हैं, वजह है इसका बहुत अलग होना।

1946 में कर दिया ऐसा कमाल

जितनी दिलचस्प इस फिल्म की कहानी है, उससे कहीं ज्यादा दिलचस्प है इसे बनाने वाले डायरेक्टर की कहानी। इस फिल्म के डायरेक्टर चेतन आनंद थे, जिन्हें आज भी ज्यादातर लोग देव आनंद का भाई समझते हैं। हालांकि, उनकी अपनी अलग पहचान थी और कम लोग जानते हैं कि चेतन भारतीय सिनेमा की पहचान माने जाने वाले सत्यजीत रे की प्रेरणा थे। दरअसल, चेतन ने साल 1946 में अपनी फिल्म 'नीचा नगर' के जरिए वो करिश्मा कर दिखाया था, जो आज भी कोई दूसरी हिंदी फिल्म नहीं कर पाई है। चेतन की इस फिल्म ने कान फिल्म फेस्टिवल में ग्रांड प्राइज जीता था।

फिल्म जिसमें हर कोई कविता में करता है बात

उनकी इसी उपलब्धि के बाद सत्यजीत रे ने उन्हें लेटर लिखा कि आपकी वजह से मुझे फिल्म बनाने की हिम्मत मिली है। इतनी बड़ी कामयाबी के बाद चेतन आनंद ने एक और मील का पत्थर रखने का फैसला किया था। उन्होंने 1970 में तय किया कि वह एक ऐसी फिल्म बनाएंगे, जिसका हर डायलॉग किसी कविता की तरह होगा। इस फिल्म में कोई हल्की-फुल्की स्टार कास्ट नहीं थी। राज कुमार, पृथ्वीराज कपूर और प्राण जैसे कमाल के एक्टर्स को कास्ट करके उन्होंने एक ऐसी फिल्म बना डाली, जिसमें हर कोई कविताओं में बात करता नजर आता है।

हॉलीवुड स्टार्स के बाद किया था लक्स का ऐड

16 साल में हुई शादी, बनीं हिंदी सिनेमा की पहली ग्रेजुएट एक्ट्रेस

नई दिल्ली। बॉलीवुड ने कई अभिनेत्रियों ने अपने अभिनय और अपनी कलाकारी से अपना बड़ा नाम बनाया है। लेकिन, आज हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं, वो अपने समय में एक मिसाल थी और उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए नए रास्ते बनाए। उन्हें हिंदी फिल्म जगत की पहले ग्रेजुएट एक्ट्रेस कहा जाता है। उन्होंने उस पॉपुलर ब्यूटी सोप का ऐड किया, जो उनसे पहले केवल हॉलीवुड की सुंदरियां ही करती थीं। प्रोफेशनल फ्रंट पर सफलता के बावजूद उनका निजी जीवन काफी संघर्षों से भरा रहा।

कौन हैं वो एक्ट्रेस?

हम बात कर रहे हैं बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री लीला चिटनिस की। लीला चिटनिस ने बॉलीवुड में 1930 से 1980 के दशक तक काम किया। उनका जन्म 1909 में हुआ था। ये उन चुनिंदा महिला अभिनेताओं में से थीं जो ग्रेजुएट (आर्ट्स में बैचलर) थीं। वह पहली फीमेल एक्टर थीं, जो ग्रेजुएट थी। उनके पिता इंग्लिश लिटरेचर के प्रोफेसर थे। उन्होंने लीला की शादी 16 साल की उम्र में ही तय कर दी थी।

शादीशुदा जिंदगी

लीला चिटनिस ने गजानन यशवंत चिटनिस से शादी की, जो एक डॉक्टर थे और उसी ब्रह्म समाज समुदाय से थे, जिससे उनका परिवार जुड़ा था। शादी के बाद उनके चार बेटे हुए। उनकी राजनीतिक सोच भी एक जैसी थी। उन्होंने एक बार मशहूर मार्क्सवादी स्वतंत्रता सेनानी एम.एन. रॉय को अपने घर में पनाह दी थी और ब्रिटिश राज के खिलाफ भारत की आजादी की लड़ाई में अपना योगदान दिया था।

शराब पीने वाले पति से हो गईं अलग

हालांकि, शादी सफल न हो पाने के कारण आखिरकार वह अपने शराब पीने वाले पति से अलग हो गईं। वापस लौटने पर, उन्हें अकेले ही अपने चार छोटे बेटों की परवरिश करने की मुश्किल चुनौती का सामना करना पड़ा। उस समय ग्रेजुएट होने वाली चुनिंदा महिलाओं में से एक होने के नाते, उन्होंने एक स्कूल में पढ़ाना शुरू किया। हालांकि, प्रोग्रेसिव मराठी ग्रुप 'नाट्यमन्वंतर' के साथ थिएटर की ट्रेनिंग लेने के कारण, उन्हें एक्टिंग में ही अपना असली मकसद मिला।

फिल्मों में शुरुआती संघर्ष

हिंदी सिनेमा में लीला चिटनिस का सफर आसान नहीं था। 'जेंटलमैन डाकू' (1937) में ब्रेक मिलने से पहले उन्होंने कई फिल्मों में एक्स्ट्रा (सहायक कलाकार) के तौर पर काम किया। इस फिल्म में उन्होंने पुरुष के वेश में एक्शन सीन भी किए थे। 1939 में 'कंगन' की बॉक्स ऑफिस सफलता के साथ ही उन्होंने आखिरकार एक लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी जगह बनाई। फिल्म में उन्होंने एक हिंदू पुजारी की बेटी का किरदार निभाया, जो अपने पिता की मर्जी के खिलाफ जाकर एक स्थानीय जमींदार के बेटे से प्यार करने लगती है।

कंगन को मिली जबरदस्त कामयाबी

बॉम्बे टॉकीज, वह मशहूर प्रोडक्शन हाउस जिसने इस फिल्म को सपोर्ट किया था, समाज की स्थापित मान्यताओं को चुनौती देने वाली फिल्में चुनने की वजह से मुश्किल दौर से गुजर रहा था। 'कंगन' फिल्म की जबरदस्त कामयाबी के बाद, लीला ने उस दौर की मशहूर अभिनेत्री देविका रानी की जगह ले ली। लीला चिटनिस ने बॉम्बे टॉकीज के एक और बड़े कलाकार अशोक कुमार के साथ कई यादगार फिल्मों में काम किया, जिनमें एन.आर. आचार्य की बंधन और आजाद (1940) और ज्ञान मुखर्जी की झूला (1941) शामिल है।

खबर संक्षेप

सिवाना में कल लगेगा लीगल सर्विस कैंप

बेरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गांव सिवाना में वीरवार को लीगल सर्विस कैंप का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विशाल ने बताया कि कैंप में परिवार पहचान पत्र से संबंधित समस्याओं को सुना जाएगा व मौके पर ही निपटारा किया जाएगा। इसके अलावा बिजली-पानी, राजस्व विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, समाज कल्याण, रोजगार, शिक्षा, फूड एंड सप्लाई आदि करीब 20 विभागों से जुड़े विषयों पर सुनवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि सुबह नौ बजे से कैंप शुरू हो जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से इस कैंप का लाभ उठाने का आह्वान किया है।

नागरिक अस्पताल में रक्तदान शिविर कल

झज्जर। एक पहल सबका सहयोग संस्था द्वारा वीरवार को स्थानीय नागरिक अस्पताल के ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष रामअवतार दीपक गहलावत ने बताया कि शिविर सुबह करीब साढ़े आठ बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगा। उन्होंने युवाओं से रक्तदान की अपील करते हुए कहा कि उनका दान किया गया रक्त किन्हीं तीन जरूरतमंद लोगों का जीवन बचा सकता है।

31 जुलाई को मतदाता सूची का प्री-ड्राफ्ट प्रकाशन किया जाएगा

बीएलओ, सुपरवाइजर व एईआरओ को समझाई दूसरे चरण की प्रक्रिया

बीएलओ अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाताओं को नोटिस देंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। आईडीटीआर में दूसरे चरण की प्रक्रिया समझाते चुनाव अधिकारी।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अभिनव सिवाच के निर्देश पर मंगलवार को आईडीटीआर में एसआईआर कार्यक्रम के तहत बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर और एईआरओ को दूसरे चरण के दौरान नोटिस जारी करने और सुनवाई प्रक्रिया से जुड़ा प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान चुनाव कानूनगो मनीष ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान क्षेत्रों में घर-घर जाकर उन मतदाताओं को नोटिस देंगे, जिनकी मैपिंग उपलब्ध नहीं है या जिनमें किसी तरह की गड़बड़ी पाई गई है। उन्होंने कहा कि संबंधित मतदाताओं को तय तारीख पर सुनवाई के लिए आने की जानकारी दी जाए और जरूरी दस्तावेजों के बारे में भी साफ-साफ बताया जाए, ताकि कोई भी योग्य मतदाता प्रक्रिया से छूट न जाए। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि 31 जुलाई को मतदाता सूची का प्री-ड्राफ्ट प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद 31 जुलाई से 30 अगस्त तक दावे और आपत्तियां ली जाएंगी, जबकि 31 जुलाई से 28 सितंबर तक नोटिस जारी करने और सुनवाई की प्रक्रिया चलेगी। सभी पात्र मतदाताओं तक नोटिस पहुंचाने, रिकॉर्ड सही रखने और मतदाता सूची के एसआईआर को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ पूरा करने की हिदायत दी।

खास बातें

- 31 जुलाई से 28 सितंबर तक नोटिस जारी करने और सुनवाई की प्रक्रिया चलेगी
- सभी पात्र मतदाताओं तक नोटिस पहुंचाने, रिकॉर्ड सही रखने और मतदाता सूची का एसआईआर को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ पूरा करने की हिदायत दी

झज्जर। निर्वाचन अधिकारियों, बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ को प्रशिक्षण देते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

एसआईआर पोस्ट ड्राफ्ट चरण को लेकर निर्वाचन कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

झज्जर। भारत निर्वाचन आयोग के तहत जिले में चल रही एसआईआर प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए जिला प्रशासन सक्रिय भूमिका निभा रहा है। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने एसआईआर प्रक्रिया के सुचारू पूर्ण कराने के दृष्टिगत संबंधित निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पोस्ट ड्राफ्ट चरण के अंतर्गत मंगलवार को झज्जर और बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य नोटिस निस्तारण एवं सुनवाई प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराना रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें नोटिस जारी करने, सुनवाई की प्रक्रिया, दस्तावेजों के सत्यापन, ऑनलाइन मॉड्यूल के उपयोग तथा निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। वहीं एसडीएम एवं निर्वाचन पंजीयन अधिकारी झज्जर रवि मीणा ने बताया कि संवाद भवन में झज्जर विधानसभा क्षेत्र के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में पोलिंग स्टेशन संख्या 1 से 100 तथा द्वितीय सत्र में 101 से 190 तक के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

बहादुरगढ़। चौधरी धीरपाल राजकीय महाविद्यालय बादली।

स्नातकोत्तर में दाखिले अब 7 अगस्त तक होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बादली के चौधरी धीरपाल राजकीय महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में दाखिले की तिथि अब 7 अगस्त कर दी गई है। पात्र विद्यार्थी 7 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीकरण कर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं।

कॉलेज के प्राचार्य मेजर आनंद काद्याण ने बताया कि आवेदन पत्र में संशोधन की सुविधा 8 अगस्त तक उपलब्ध रहेगी। वहीं, कॉलेज की ओर से 9 अगस्त तक विद्यार्थियों के दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन किया जाएगा और किसी प्रकार की आपत्ति होने पर उसका निस्तारण किया जाएगा। दाखिला प्रक्रिया के नोडल अधिकारी डॉ. विजय सिंह ने बताया कि 10 अगस्त को पहली प्रोविजनल मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी, जबकि 11 अगस्त को अंतिम मेरिट लिस्ट प्रकाशित होगी। मेरिट सूची में चयनित विद्यार्थियों को 12 अगस्त से 14 अगस्त तक निर्धारित दाखिला शुल्क जमा करवाना होगा। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण की दाखिला प्रक्रिया के बाद यदि सीटें रिक्त रहती हैं, तो 15 अगस्त से फिजिकल काउंसलिंग शुरू की जाएगी। इसके बाद 16 अगस्त को दाखिला पोर्टल दोबारा खोला जाएगा, ताकि नए अभ्यर्थी पंजीकरण और आवेदन में संशोधन कर सकें। रिक्त सीटों पर 17 से 23 अगस्त तक सामान्य शुल्क के साथ दाखिले होंगे। इसके बाद 24 से 30 अगस्त तक प्रतिदिन 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ दाखिला प्रक्रिया जारी रहेगी।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने बैठक में की गतिविधियों की समीक्षा

- सुरेश जैन ने भाविप के सेवा, संस्कार, सहयोग एवं समर्पण के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। भाविप के कार्यों की समीक्षा करते सुरेश जैन व राकेश शर्मा।

भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन का मंगलवार को बहादुरगढ़ प्रवास रहा। इस दौरान प्रांतीय संरक्षक पवन जैन के आवास पर परिषद के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन और क्षेत्रीय महासचिव राकेश शर्मा का संरक्षक पवन जैन, प्रांतीय संगठन सचिव मूलचंद जोशी और जिला समन्वयक सतीश शर्मा ने स्वागत किया। बैठक में सुरेश जैन ने परिषद के सेवा, संस्कार, सहयोग एवं समर्पण के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने शाखाओं द्वारा संचालित सेवा कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि परिषद की प्रत्येक शाखा समाजहित के कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करे तथा अधिक से अधिक युवाओं एवं समाज के प्रबुद्ध लोगों को परिषद से जोड़े। राकेश शर्मा ने परिषद की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर रमेश गुप्ता, विजय पुन्हानी, मुरारी लाल गोयल, आनंद पंवार, रमणीक सिंघल, दीपेश राठी, एमएस भाटी, गौरी शंकर, अशोक गोयल, संजय गर्ग, चंचल गर्ग, आदि उपस्थित रहे।

झज्जर। शिविर में स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे ग्रामीण एवं उपस्थित चिकित्सक।

शिविर में 137 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

विश्व हेपेटाइटिस दिवस के उपलक्ष्य में आयुष ग्राम भिंडावास में मंगलवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया। गांव के रिटायर्ड एसआई शुभराम ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में कुल 137 मरीजों ने भागीदारी करते हुए स्वास्थ्य जांच सेवाओं का लाभ उठाया। आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पूनम ने ग्रामीणों को हेपेटाइटिस फैलने के कारण, लक्षण एवं रोकथाम बारे जानकारी दी। चिकित्सकीय टीम में शामिल होम्योपैथिक डॉक्टर मनोज, आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट सुमित व दीपक ग्रामीणों को स्वास्थ्य की देखभाल के उपाय तथा आवश्यकतानुसार औषधियां प्रदान की। इस दौरान टीम सदस्यों ने ग्रामीणों को औषधीय पौधे भी वितरित किए।

विद्यार्थियों को नशा मुक्ति व साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए ट्रैफिक यूनिट प्रभारी वीरेंद्र कुमार।

मंगलवार को ट्रैफिक यूनिट एवं नशा मुक्ति अभियान टीम द्वारा संयुक्त रूप से द हाइट अकादमी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक यूनिट प्रभारी उप निरीक्षक वीरेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी नशा मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। वहीं साइबर अपराधों के मामलों को देखते हुए विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी, बैंकिंग धोखाधड़ी, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा साइबर अपराध होने पर तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 एवं संबंधित साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने यातायात नियमों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को सड़क पर चलते समय ट्रैफिक संकेतों का पालन करने, दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, नाबालिग अवस्था में वाहन नहीं चलाने तथा सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

पूर्व पार्षद जसबीर सैनी का आरोप कमीशन की भेंट चढ़ गई सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। सफाई व्यवस्था का जायजा लेते जसबीर सैनी।

भाजपा नेता एवं पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने शहर की चौपट सफाई व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके अनुसार जवाबदेही से बचने के लिए सफाई व्यवस्था को लेकर राजनीतिक ड्रामे किए जा रहे हैं। जबकि यह सिर्फ कमीशन का खेल है। इन नेताओं को शहर की सफाई की बजाय कमीशन बढ़ाने की चिंता है। मंगलवार को शहर के वार्ड नंबर-14 में सफाई व्यवस्था की हालत देखते हुए उन्होंने कर्मचारियों और अधिकारियों से आग्रह किया कि सफाई व्यवस्था को सुचारु किया जाए। नालियों और सीवरों से निकलने वाले मलबे को तुरंत प्रभाव से उठवाया जाए ताकि दोबारा गंदगी न फैले। उन्होंने बताया कि सीएम नायब सैनी के आदेश पर शास्त्री नगर में एक नया नाला और सड़क बनवाई जाएगी। उनके अनुसार परिवर्तन का नारा देने वालों ने 4 सालों में वार्ड में विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। सिवाय झूठ बोलने के इन लोगों का कोई काम नहीं है।

झज्जर। शिविर में स्वास्थ्य की जांच कराने पहुंचे लोग व उपस्थित चिकित्सक।

ग्रामीणों को दी स्वास्थ्य की देखभाल की जानकारी

हरिभूमि न्यूज. झज्जर : वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज रिसर्च एंड हॉस्पिटल गिरावड़ द्वारा क्षेत्र के गांव बाघपुर में मंगलवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अस्पताल के मेडिसिन विभाग, सर्जरी, नेत्र रोग, ईएनटी, हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। जिसमें काफी संख्या में लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉक्टर रजत गुप्ता व डॉक्टर शिवम सिंह ने बताया कि संस्थान के संस्थापक डॉक्टर नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर के दौरान लोगों को स्वास्थ्य की उचित देखभाल से भी अवगत कराया गया। इस दौरान चिकित्सकों द्वारा जरूरतमंद लोगों में जहां निःशुल्क दवाओं का वितरण किया वहीं उन्हें स्वास्थ्य की देखभाल संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

मांडोठी में कन्या जन्म पर हुआ कुआं पूजन

बहादुरगढ़। गांव मांडोठी में सतेंद्र की बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में मनाते हुए एक प्रेरणादायक कार्यक्रम हुआ। पूनम द्वारा बेटी को जन्म देने के उपलक्ष्य में पारंपरिक कुआं पूजन समारोह का आयोजन किया गया। यह संदेश दिया गया कि बेटा और बेटी दोनों समान हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों को सम्मान, शिक्षा और समान अवसर देना समाज की जिम्मेदारी है। एएनएम सुशीला, एएनएम पिंकी तथा आशा कार्यकर्ता सुमनलता ने परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेटियां परिवार और समाज की शक्ति हैं। उन्होंने लोगों से बेटियों के जन्म का स्वागत करने, उन्हें बेहतर शिक्षा दिलाने तथा उनके स्वास्थ्य और भविष्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

स्टॉम्प ड्यूटी वसूली को लेकर अब डीसी को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इनेलो नेता कपूर सिंह राठी के अनुसार उनके द्वारा स्टॉम्प ड्यूटी को लेकर लगाए गए आरोपों के बाद तहसील के संयुक्त सब-रजिस्ट्रार ने सोमवार को जिला उपायुक्त को पत्र लिखकर भू-राजस्व वसूल करने के आदेश जारी करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी विकास शुल्क एवं संपत्ति कर की चोरी के मामले में अधिकारियों ने महज नोटिस जारी कर खानापूर्ति कर ली थी।

बता दें कि चेयरपर्सन सरोज राठी के परिवार द्वारा एक जून 2017 तथा 14 जुलाई 2025 को 2 रजिस्ट्रियां करवाई गई थीं। झज्जर सर्कल के स्टॉम्प ऑडिटर ने जांच उपरांत 10 मार्च तथा 14 जुलाई को पाया कि इन दोनों में क्रमशः 7 लाख 62 हजार 960 रुपये तथा 12 लाख 62 हजार 716 रुपये के कम स्टॉम्प का भुगतान किया गया है। दोनों मामले में जांच उपरांत 10 मार्च व 2 जुलाई को बकाया रकम रिकवरी के आदेश दिए गए। इन आदेशों की अनुपालना में सब रजिस्ट्रार बहादुरगढ़ द्वारा 26 जून व 10 जुलाई को भारतीय स्टाम्प अधिनियम-1899 की धारा 47-ए के तहत कार्रवाई के लिए नोटिस जारी किए गए थे। लेकिन जब एक माह के समय में भी यह रकम अदा नहीं की गई तो अब संयुक्त सब रजिस्ट्रार ने सोमवार 27 जुलाई को जिला उपायुक्त को पत्र लिखकर कहा गया है कि यह वसूली साधारण तरीके से संभव नहीं है और इसके लिए भू-राजस्व वसूल करने के आदेश जारी किए जाएं। कपूर राठी ने सरकार से सख्त रुख अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि इस पूरे प्रकरण में कांग्रेस की चुप्पी जनता की समझ से परे है।

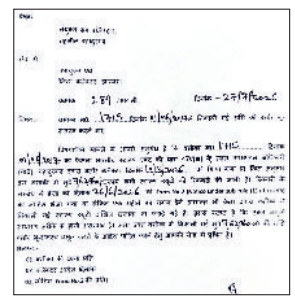

बहादुरगढ़। संयुक्त सब रजिस्ट्रार द्वारा डीसी को लिखा गया पत्र।

बहादुरगढ़। कपूर सिंह राठी

- चेयरपर्सन सरोज राठी के परिवार पर लगे हैं गंभीर आरोप

मिट्टी धंसने से मजदूर की मौत, कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही का मुकदमा दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

सीसीटीवी फुटेज देखने से सामने आई हकीकत

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि घटना स्थल और कंपनी की सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि राजबीर को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के गहरे गड्ढे में उतारा गया था। कंपनी प्रबंधन की लापरवाही के कारण अचानक भारी मात्रा में मिट्टी उसके ऊपर गिर गई, जिससे वह दब गया और उसकी मौत हो गई। परिजनों का यह भी कहना है कि मिट्टी में दबे राजबीर को जेसीबी मशीन की सहायता से बाहर निकाला गया, जिससे उसके पैरों पर भी चोटें आईं।

सांपला-बेरी रोड स्थित जीबी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड में काम के दौरान मिट्टी धंसने से एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर कंपनी के जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ लापरवाही से मौत होने के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, गांव इस्माईला निवासी कृष्णलाल ने शिकायत में बताया कि उनका 39 वर्षीय पुत्र राजबीर जी.बी. एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत था। सोमवार सुबह वह रोजाना की तरह ड्यूटी पर गया था। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे सूचना मिली कि गहरे गड्ढे में काम करते समय उसके ऊपर मिट्टी धंस गई है। उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सांपला लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलने पर पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और मृतक के पिता के बयान दर्ज किए। शिकायत के आधार पर थाना सांपला में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने शव का आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद पोस्टमार्टम कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है तथा कंपनी प्रबंधन की भूमिका और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

कैंटर चालक की वाहन की चपेट में आने से मौत

महम। महम के पास एक रात को ढाबे पर खाना खाने के बाद सड़क पर टहल रहे एक कैंटर चालक की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। इस संबंध में महम थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में भिवानी जिला के धनाना गांव निवासी रविंद्र पुत्र राजाराम ने बताया कि उसके ताऊ सुरेंद्र का 23 साल का लड़का विकास अग्रवाल रोड कैरियर हिसार कैंट की आइसर कैंटर चलाता था। वह 27 जुलाई को माल भरकर हिसार से दिल्ली जा रहा था। रात को वह दिल्ली जा रहा था। रात 9 बजे वह हिसार राष्ट्रीय राजमार्ग पर बहलबा मोड़ पर पहुंचा तो उसने बहलबा मोड़ के सामने स्थित ढाबे पर अपनी गाड़ी साइड में खड़ी कर दी थी।

डॉ. एसके सिंघल बने हेल्थकेयर काउंसिल के प्रथम चेयरपर्सन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

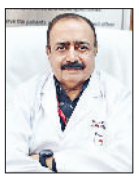

हरियाणा सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा राष्ट्रीय एलाइड एवं हेल्थकेयर प्रोफेशन आयोग अधिनियम, 2021 (एनसीएएचपी एक्ट, 2021) के तहत हरियाणा स्टेट एलाइड एंड हेल्थकेयर काउंसिल (एचएसएएचसी) का गठन किया गया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार पीजीआईएमएस के निदेशक एवं वरिष्ठ प्रोफेसर (एनेस्थीसियोलॉजी) डॉ. सुरेश कुमार सिंघल को इस काउंसिल का प्रथम चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। करीब चार दशक के चिकित्सा और प्रशासनिक अनुभव वाले डॉ. सिंघल ने कहा कि उनका लक्ष्य एलाइड एवं हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, व्यवस्थित पहचान और बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकें। उन्होंने हरियाणा को एलाइड एवं हेल्थकेयर शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प भी दोहराया। डॉ. सिंघल के नेतृत्व में पीजीआईएमएस में कई नए विभाग शुरू हुए हैं तथा आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं, शोध और मरीज-केंद्रित सुविधाओं को बढ़ावा मिला है। कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल ने उनकी नियुक्ति पर बधाई दी।

45 वर्षीय व्यक्ति लापता, शिकायत

रोहतक। जनता कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। देर रात तक घर नहीं लौटने और मोबाइल फोन पर संपर्क नहीं होने के बाद परिजनों ने पुलिस को शिकायत दी।

सूचना

मैं, तारा देवी पत्नी श्री शिव प्रसाद निवासी मकान नंबर 133/8, गली नंबर-4, शास्त्री नगर, लाईनपार, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करती हूं कि मेरा पुत्र सुधीर मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

लाखों खर्चने के बावजूद बदहाल हैं शहर के पार्क

सेक्टर-6 के पार्क में सूखी घास, टूटे झूले और बंद लाइटें, शाम की सैर भी मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सिटी पल्स

शहर को हराभरा और स्वच्छ बनाने के लिए नगर परिषद हर महीने पार्कों के रखरखाव पर लाखों रुपये खर्च कर रही है। इसके बावजूद सेक्टर-6 स्थित एक पार्क की हालत व्यवस्था की पोल खोल रही है। पार्क में घास सूख चुकी है, कई हिस्सों में घास गायब है, जबकि दूसरी ओर घास इतनी बढ़ गई है कि लंबे समय से उसकी कटाई तक नहीं हुई। बच्चों के झूले टूटे पड़े हैं और रात के समय पार्क की अधिकांश लाइटें बंद रहती हैं, जिससे यहां आने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि यह पार्क सुबह-शाम सैर करने वालों, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए महत्वपूर्ण स्थान है। लेकिन लगातार उपेक्षा के कारण अब लोग यहां आने से भी कतराने लगे हैं। बरसात के मौसम में बढ़ी हुई घास के कारण सांप और अन्य जहरीले जीवों का खतरा भी बना रहता है।

टूटे झूले बच्चों के लिए खतरा

सतवंती ने बताया कि हम रोज शाम को बच्चों को पार्क लेकर आते थे, लेकिन टूटे झूलों के कारण अब उन्हें खेलने नहीं देते। छोटे बच्चों के लिए यह खतरनाक हो चुका है। रात को पार्क में पूरी तरह अंधेरा रहता है क्योंकि लाइटें नहीं जलतीं। कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

टूटे झूलों को बदला जाए

वेदपाल का कहना है कि नगर परिषद हर महीने रखरखाव पर खर्च करने का दावा करती है, लेकिन हमारे पार्क की हालत देखकर ऐसा बिल्कुल नहीं लगता। घास सूखी है और सफाई भी नियमित नहीं होती। टूटे झूलों की मरम्मत या उन्हें बदला जाए।

कई बार शिकायत करने पर भी समाधान नहीं

अभिभावकों का कहना है कि हादसे की आशंका के चलते वे बच्चों को झूलों पर नहीं जाने देते। पार्क में लगी स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से बंद हैं। शाम ढलते ही अंधेरा हो जाता है, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य लोगों को असुरक्षा महसूस होती है। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। जबकि पार्क केवल सौंदर्य का विषय नहीं, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य, बच्चों के खेल और सामाजिक जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुविधा है।

जहरीले जीवों का बना रहता है डर

कृष्ण सिंह के अनुसार सुबह की सैर के लिए पार्क सबसे अच्छी जगह होती है, लेकिन बढ़ी हुई घास और गंदगी के कारण चलना भी मुश्किल हो जाता है। बरसात में जहरीले जीवों का डर बना रहता है। पार्क की घास, झूले, लाइट और सफाई पर तुरंत काम होना चाहिए।

याद बहुत आते हैं वो दिन...

अब सावन में नहीं डाले जाते झूले आधुनिकता ने छीन ली रौनक

अब केवल स्कूलों में निभाई जाती है तीज की औपचारिकता

जब तीज पर्व की बात चले और झूलों का जिक्र न हो, ये बेमानी सा लगता है। लेकिन यह भी सच है कि तेजी से बदल रहे इस युग में आजकल तीज पर झूला झूलने की केवल औपचारिकता निभाई जा रही है। कहीं स्कूलों में प्रतीकात्मक झूला डालकर विद्यार्थियों के साथ फोटो खिंचवाई जाती है तो कहीं सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं देकर त्यौहार मना लिया जाता है। महिलाओं व युवतियों में वो पहले जैसा चाव नहीं रहा। एक वो भी जमाना था जब तीज आगमन की खुशी में हिंडौले डाले जाते थे। करीब एक पखवाड़े पहले पेड़ों पर डाले गए झूलों पर महिलाएं एवं युवतियां पारंपरिक गीत गाते हुए झूला झूलती थी। सावन का महीना आते ही कभी गांवों और शहरों में तीज की ऐसी रौनक देखने को मिलती थी। हर गली-मौहल्ले में पेड़ों पर झूले पड़ जाते थे। महिलाओं और युवतियों द्वारा पारंपरिक गीतों के साथ पींगों की ऊंची उड़ान वातावरण उत्सवमय हो जाता था। इस संबंध में जब बुजुर्ग महिलाओं से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पहले तीज आने से कई सप्ताह पहले ही गांव के किसी बड़े बरगद, पीपल या नीम के पेड़ पर मजबूत रस्सियों से हिंडोला डाल दिया जाता था। दोपहर बाद से महिलाएं और युवतियां वहां एकत्रित होतीं, लोकगीत गातीं, सावन के गीतों पर झूलती। यह केवल मनोरंजन नहीं बल्कि सामाजिक मेल-मिलाप और पारिवारिक एकता का भी बड़ा माध्यम था। आजकल स्थिति बदल चुकी है। छोटे होते जा रहे घर-आंगनों, वृक्षों की लगातार कटाई, आधुनिकता का असर तथा टूटते जा रहे संयुक्त परिवारों के कारण यह परंपरा समाप्त होने के कगार पर है। नई पीढ़ी अपना अधिकांश समय मोबाइल और सोशल मीडिया पर बीताती है, जिसके कारण लोक संस्कृति से जुड़ाव लगातार कम हो रहा है। इसके अलावा पार्कों में पोल पर स्थापित झूलों पर जहां बच्चे झूल लेते हैं वहीं सावन में झूलने की चाह रखने वाली कई महिलाएं भी इन्हीं झूलों पर बैठकर खुश हो जाती हैं। शायद इसी का परिणाम है कि तीज पर्व में अब वो पहले वाली बात नहीं रही।

चंद्रो देवी

वृक्षों के मजबूत तनों से बांधा जाता था हिंडौला

सिलानी गेट निवासी करीब अस्सी वर्षीया बुजुर्ग महिला चंद्रो देवी ने बताया कि उस जमाने में तीज पर झूला झूलने का रिवाज चरम पर रहता था। जिन आंगनों में पेड़ नहीं होते थे वहां वृक्षों के मजबूत तने बांध कर हिंडौला डाला था तथा झूल में लाव (मजबूत रस्सी) बांधी जाती और सजाया जाता। इसी झूल के साथ एक लंबी रस्सी जिसे लंगर कहा जाता था वह भी बांधी जाती जो ऊंची पींगें बढ़ाने में सहायक होती थी। सभी महिलाएं पारंपरिक वस्त्र पहनकर झूलों पर लोकगीत गाती और सावन का आनंद लेती थीं।

पूरे सावन मनाया जाता था तीजोत्सव

शहर के सीताराम गेट निवासी कमला देवी ने बताया कि पहले तीज केवल एक दिन का त्यौहार नहीं, बल्कि पूरे सावन का उत्सव होता था। उन्होंने बताया कि राजस्थान के शाहजहांपुर में उनका मायका है। वहां गांव के तालाब किनारे सावन के शुरू होने पर ही झूल डाल दी जाती थी। दोपहर से लेकर रात तक लोकगीत गूंजते थे और पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल रहता था। ऊंची-ऊंची पींगों पर झूलने में बड़ा मजा आता था

वृक्षों की कटाई ने छीनी तीज की पहचान

शहर के भट्टी निवासी कांता देवी का कहना है कि संयुक्त परिवार खत्म होने और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने तीज की असली पहचान छीन ली है। उनके मौहल्ले में राय साहब चंद्रप्रकाश भटनागर की हवेली के आंगन में एक विशाल नीम का पेड़ था। उस पर झूला डाला जाता था तथा मौहल्ले भर की औरतें व युवतियां यहां गीत गाते हुए देर तक झूला झूलती थीं। बदले समयानुसार उस आंगन से नीम हटाया जा चुका है।

बहादुरगढ़। छारा कॉलेज में पौधे लगाती डॉ. अलका गुलाटी व अन्य।

छारा कॉलेज में विद्यार्थियों ने पौधे लगाकर संरक्षण का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

मंगलवार को छारा के चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. सुशील दलाल के दिशानिर्देशन में वन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए तथा विद्यार्थियों ने उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया।

नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर, इको क्लब व एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का संयोजन क्लब इंचार्ज डॉ. अश्वनी कुमार द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉ. सुशील दलाल ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा हरित परिसर के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि के रूप में बहादुरगढ़ राजकीय महिला महाविद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. अलका गुलाटी ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापवृद्धि जैसी चुनौतियों के प्रभावी समाधान के लिए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण जरूरी है।

उन्होंने विद्यार्थियों से प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का आह्वान किया। डॉ. अश्वनी कुमार ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संरक्षण का आधार नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन, जैव विविधता और सतत विकास के प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। डॉ. अनीता दलाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में आरईडी स्कूल के खिलाड़ियों का रहा शानदार प्रदर्शन

झज्जर। जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में आरईडी स्कूल छुछकवास के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक हासिल करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जगह बनाई। प्राचार्य सुनील कादियान ने बताया कि अंडर-11 आयु वर्ग की बॉक्सिंग स्पर्धा में जहां खिलाड़ी छात्रा पुष्पा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया वहीं अंडर-19 आयु वर्ग के लांग जंप में पुनीत व जैवलिन थ्रो में लवनीत ने द्वितीय स्थान तथा साहिल ने ट्रिपल जंप प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जगह बनाई। इसी प्रकार अंडर-17 आयु वर्ग में यश ने ट्रिपल जंप में द्वितीय तथा लांग जंप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ी हर्ष शॉटपुट व डिस्कस थ्रो में पहले स्थान पर रहा। सभी विजेता खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। विद्यालय के डायरेक्टर जितेंद्र सिंह अहलावत ने इस उपलब्धि पर प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए विजेता खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अंतरसदनीय सामाजिक विज्ञान क्विज में अटल सदन ने पाया पहला स्थान

झज्जर। एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में अंतरसदनीय सामाजिक विज्ञान क्विज का आयोजन किया गया। अंतरसदनीय प्रतियोगिता में इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, अर्थशास्त्र एवं समसामयिक घटनाओं से जुड़े रोचक प्रश्न पूछे गए। जिसमें अटल सदन की टीम राखी, हिमांशी, यश, यशवी, निखिल व कार्तिक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं पटेल सदन की टीम अंशु, सोनु, रीतु, यश, यशवीर व चार्वी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कलाम सदन की टीम नीतु, आर्यन, प्राची, वैशाली, चेतना व प्रीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि रमन सदन को सांत्वना पुरस्कार से संतोष करना पड़ा। इस अवसर पर एचडी ग्रुप सचिव हेमंत गुलिया ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों में ज्ञान वर्धक, प्रतिस्पर्धा, त्वरित निर्णय क्षमता और टीम भावना का विकास करती हैं।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। कृष्ण गोपाल विद्यार्थी को सम्मानित करते अकादमी पदाधिकारी।

हंसराज कॉलेज में विद्यार्थी को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के सभागार में आयोजित नामवर सिंह जन्म शताब्दी समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में गीतकार कृष्ण गोपाल विद्यार्थी को सम्मानित किया गया। अकादमी के पदाधिकारियों ने बहादुरगढ़ निवासी केजी विद्यार्थी को उनकी साहित्यिक सेवाओं के लिए शॉल व स्मृति चिन्ह आदि भेंट कर सम्मानित किया।

सावन माह आज से शुरू, श्रद्धालुओं में उत्साह

झज्जर। सावन मास को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। शहर के सभी मंदिरों और शिवालयों को श्रद्धालुओं द्वारा रंग बिरंगी लाइटों से सजाया जा रहा है। हिंदू धर्म में सावन का महीना अत्यंत पवित्र, मंगलकारी और भगवान शिव की उपासना के लिए सबसे उत्तम माना गया है। यह पूरा महीना देवों के देव महादेव और माता पार्वती को समर्पित होता है। मान्यता है कि सावन के दौरान जो भी व्यक्ति सच्चे मन से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं, व्रत रखते हैं और शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

तरु तरंग अभियान के तहत स्कूलों में लगाए पौधे

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय ने तरु तरंग अभियान के अंतर्गत विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर बहादुरगढ़ के राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय तथा बालौर के राजकीय हाई स्कूल में पौधरोपण किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने बताया कि विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस 28 जुलाई को मनाया जाता है। ताकि लुप्तप्राय पौधों और जानवरों का संरक्षण सुनिश्चित हो। उनके अनुसार प्रकृति हमारे अस्तित्व का आधार है, इसलिए इसका संरक्षण वर्तमान और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। स्कूल प्रिंसिपल डॉ. संजीव खत्री ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से भी प्रकृति संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

स्वयंसेविकाओं ने प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया

बहादुरगढ़। शहर के वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय द्वारा लाइनपार में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया गया। इसमें स्वयंसेविकाओं ने प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। बिजली-पानी बचाओ और धरती को प्रदूषण मुक्त बनाओ आदि विषयों पर प्रेरक विचार रखे। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. राजवंती शर्मा ने कहा कि प्रकृति के दोहन के साथ प्रदूषण बढ़ रहा है। प्रकृति से छेड़छाड़ बढ़ती ही जा रही है। ग्लोबल वार्मिंग, पेड़ों की कटाई, खनिज संपदा का अनियंत्रित खनन प्रकृति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। पृथ्वी पर जीवन रहे इसके लिए प्रकृति सहित वन्य जीवों को संरक्षित करना जरूरी है।

अब केवल तीन दिन बचे हैं

लेट फीस से बचने के लिए 31 तक भरें आयकर रिटर्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

आयकर रिटर्न दाखिल कराने के लिए अब केवल 3 दिन बचे हैं। ऐसे में रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या काफी में इजाफा हो रहा है। आयकर विभाग का सर्वर भी धीमा पड़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 और असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है।

समय सीमा समाप्त होने के बाद रिटर्न दाखिल करने पर आयकर अधिनियम की धारा 234 एफ के तहत एक हजार रुपए से 5 हजार रुपए तक का विलंब शुल्क लगाया जा सकता है। अधिकांश आयकर दाता चार्टर्ड एकाउंटेंट या कर

अधिवक्ता के माध्यम से रिटर्न दाखिल कर रहे हैं। टैक्स कंसल्टेंट एडवोकेट संजय अनेजा ने बताया कि इनकम टैक्स फाइलिंग में होने वाली दिक्कतों से बचना चाहते हैं, तो आखिरी तारीख का इंतजार किए बगैर फौरन आयकर रिटर्न दाखिल कर लें। उनके अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर-1 से आईटीआर-4 तक के गैर-ऑडिट मामलों में आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित है। वहीं जिन मामलों में ऑडिट आवश्यक है, उनके लिए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 है। उन्होंने कहा कि करदाता अपनी श्रेणी के अनुसार समय-सीमा का ध्यान रखें।

निर्धारित समय सीमा के भीतर रिटर्न दाखिल नहीं करने पर आयकर अधिनियम की धारा 234एफ के तहत विलंब शुल्क देना पड़ सकता है। इसके तहत पांच लाख रुपये तक कर योग्य आय पर विलंब शुल्क एक हजार रुपये और पांच लाख रुपये से अधिक कर योग्य आय होने पर 5 हजार तक की लेट फीस देनी पड़ सकती है।

मेधावी छात्रों का भाजपा कार्यालय में किया सम्मानित

नीट पास करने वाले हर्ष ठाकुर और संदीप जेईई में सफलता पाने वाले वंश सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सेक्टर-2 स्थित भाजपा विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक के कार्यालय में मेधावी छात्रों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें नीट और जेईई में सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। नीट परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 7766 प्राप्त करने वाले हर्ष ठाकुर, ऑल इंडिया रैंक 7962 प्राप्त करने वाले संदीप तथा जेईई परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले वंश शर्मा को सम्मानित किया गया।

भाजपा नेता दिनेश कौशिक, मार्केट कमेटी चेयरमैन विनोद कौशिक तथा भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राम अहलावत ने इन विद्यार्थियों का फूलमालाएं पहनाकर, मिठाई खिलाकर और शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान विद्यार्थियों के साथ उनके माता-पिता को भी सम्मानित किया गया। दिनेश कौशिक ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाते हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

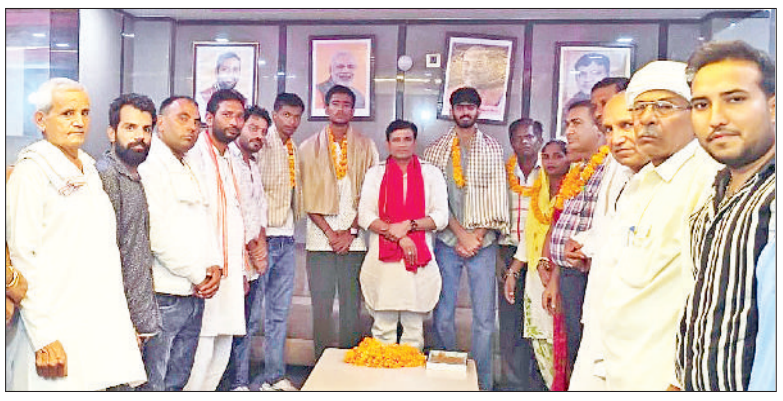

बहादुरगढ़। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते दिनेश कौशिक व अन्य। फोटो : हरिभूमि

गुरु जीवन को सही दिशा देने वाले सच्चे मार्गदर्शक

झज्जर। आरपीएस स्कूल में गुरु पूर्णिमा पर्व के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। विशेष प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों ने गुरु के महत्व पर आधारित भाषण, कविता, भजन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर भारतीय संस्कृति में गुरु के सर्वोच्च स्थान को रेखांकित किया। विद्यार्थियों ने महाभारत के एकलव्य एवं गुरु द्रोणाचार्य के आदर्श गुरु-शिष्य संबंध तथा भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक प्रस्तुतियां देकर गुरु के प्रति समर्पण, श्रद्धा और मार्गदर्शन के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900